



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-05062024-254557
CG-DL-E-05062024-254557

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2094]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 5, 2024/ज्येष्ठ 15, 1946

No. 2094]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 5, 2024/JYAIKSHANA 15, 1946

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 जून, 2024

का. आ. 2196(अ).— [लिवरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम \(एलटीटीई\)](#) को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित अधिसूचना संख्या का.आ. 1983 (अ), तारीख 14 मई, 2024 द्वारा विधिविरुद्ध संगम के रूप में घोषित किया गया है;

अतः अब, केंद्रीय सरकार, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 4 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह न्यायनिर्णयन करने के प्रयोजन के लिए कि क्या [लिवरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम \(एलटीटीई\)](#) को 'विधिविरुद्ध संगम' के रूप में घोषित करने का पर्याप्त कारण है या नहीं, न्यायमूर्ति सुश्री मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा, जो दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश है, से मिलकर बने 'विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिकरण' का गठन करती है।

[फा.सं. 11034/2/2024-सीटी-II]

अभिजीत सिन्हा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS**NOTIFICATION**

New Delhi, the 5th June, 2024

S.O. 2196(E).— Whereas, the Liberation Tigers of Tamil Eelam (LTTE) has been declared as an unlawful association, *vide* notification number S.O. 1983 (E), dated the 14th May, 2024, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with sub-section (1) of section 4 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby constitutes the Unlawful Activities (Prevention) Tribunal, consisting of Ms. Justice Manmeet Pritam Singh Arora, Judge, High Court of Delhi, for the purpose of adjudicating whether or not there is sufficient cause for declaring the Liberation Tigers of Tamil Eelam (LTTE) as an unlawful association.

[F.No.11034/2/2024-CT-II]

ABHIJIT SINHA, Jt. Secy.